(सरकारी गजट उत्तर प्रदेश भाग-4 में प्रकाशित)

*सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उ०प्र०, प्रयागराज की विज्ञप्ति संख्या परिषद्–**9/989**,*
*के सातत्य में **शैक्षिक सत्र 2020-21** के लिए स्वीकृत नवीनतम पाठ्यक्रम पर*
आधारित एकमात्र पाठ्य-पुस्तक

संस्कृत

कक्षा-12

- चन्द्रापीडकथा (उत्तरार्द्ध)
- रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीयः सर्गः)
- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थोऽङ्कः)
- निबन्ध, अलंकार एवं व्याकरण

व्याख्याकार

डॉ० रमेश कुमार उपाध्याय
एम०ए० (हिन्दी, संस्कृत), पी-एच० डी०
भूतपूर्व साहित्य विभागाध्यक्ष,
हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज

श्रीमती आशा मिश्रा
एम० ए० (संस्कृत, हिन्दी) बी० एड०,
आचार्या-ज्वालादेवी इण्टर कॉलेज
प्रयागराज

माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उ० प्र०, प्रयागराज द्वारा
स्वीकृत पाठ्यक्रम पर आधारित

संस्करण 2020-21

प्राक्कथन

माध्यमिक शिक्षा परिषद् उ0 प्र0, प्रयागराज के अनुसार संस्कृत विषय में 100 अंकों का एक प्रश्न-पत्र होगा। समय तीन घण्टे, न्यूनतम उत्तीर्णांक 33 है।

संस्कृत भाषा भारतीय साहित्य की अमूल्य निधि है इसीलिए इसे देववाणी की संज्ञा दी गयी है। इसे ध्यान में रखते हुए माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश ने कक्षा-12 संस्कृत हेतु चर्चित एवं जनप्रिय तीन पुस्तकें निर्धारित की हैं। क्रमानुसार ये पुस्तकें हैं—चन्द्रापीडकथा (उत्तरार्द्ध भाग), रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीयः सर्गः), अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थोऽङ्कः)। इसके अतिरिक्त संस्कृत व्याकरण का भी पूर्ण समावेश है। विद्यार्थियों की सुविधा को देखते हुए उपर्युक्त कृतियों को एक पुस्तक का स्वरूप दिया गया है।

बाणभट्ट द्वारा रचित 'चन्द्रापीडकथा' संस्कृत गद्य साहित्य की सर्वश्रेष्ठ रचना है। बाणभट्ट की इस कृति के माध्यम से इसे सरल रूप में प्रस्तुत किया गया है।

रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीयः सर्गः) को सरल एवं बोधगम्य रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। इसमें प्रस्तुत अनुपम सूक्तियों से परिपूर्ण सर्वगुणसम्पन्न इसकी रचना अत्यन्त चमत्कारिणी और मनोहारिणी है।

'काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला' इस कथन के आधार पर 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' को सर्वश्रेष्ठ नाटक माना गया है। यह महाकवि कालिदास की अमर कृति है। 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के चतुर्थ अंक को सरल एवं बोधगम्य रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

छात्र-छात्राओं के अध्ययन की सुविधा की दृष्टि से प्रत्येक रचनाकारों का जीवन-परिचय, शैली, कृतियों की कथावस्तु, श्लोकों एवं गद्यावतरणों पर आधारित प्रश्नोत्तर, हिन्दी अनुवाद, हिन्दी व्याख्या, संस्कृत व्याख्या एवं शब्दार्थ आदि दिये गये हैं। सम्पूर्ण कृतियों से उद्धृत सूक्तियों को भी प्राथमिकता दी गयी है। इसके अतिरिक्त अतिलघु उत्तरीय एवं बहुविकल्पीय प्रश्नों का भी पूर्ण समावेश है।

संस्कृत व्याकरण भाग के अन्तर्गत निबन्ध, अलंकार, अनुवाद, कारक एवं विभक्ति, समास, सन्धि, शब्द-रूप, धातु-रूप, प्रत्यय, वाच्य परिवर्तन आदि जैसे विविध पक्षों पर विधिवत् प्रकाश डाला गया है ताकि छात्रगण अधिकाधिक लाभ अर्जित कर सकें।

प्रस्तुत संस्करण की रचना विशेषतः विद्यार्थियों को ध्यान में रखकर की गयी है और मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह उनके अध्ययन में अधिकाधिक सहायता प्रदान करेगी।

—व्याख्याकार

माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उ०प्र०, प्रयागराज द्वारा **2020-21** की परीक्षा के लिए निर्धारित

संस्कृत : कक्षा-12

अंक-विभाजन

➨ सामान्य निर्देश

संस्कृत विषय में 100 अंकों का एक प्रश्न-पत्र होगा। प्रश्न-पत्र के प्रत्येक खण्ड में निर्धारित अंकों के अन्तर्गत दीर्घ उत्तरीय, लघु उत्तरीय, अतिलघु उत्तरीय एवं बहुविकल्पीय प्रश्नों का समावेश कर कई प्रश्न पूछे जा सकते हैं। प्रश्न-पत्र में प्रश्नों के लिए निर्धारित अंक ही उत्तर के आकार की संक्षिप्तता या दीर्घता का द्योतक होगा। प्रत्येक प्रश्न-पत्र के अन्तर्गत समाविष्ट पाठ्यक्रम का अंक विभाजन निम्नवत् होगा—

खण्ड-क (गद्य) — 20 अंक

➨ चन्द्रापीडकथा

1.	गद्यांश के आधार पर प्रश्नोत्तर।	**10**
2.	कथात्मक पात्रों का चरित्र-चित्रण (हिन्दी में, अधिकतम 100 शब्द)।	**4**
3.	रचनाकार का जीवन-परिचय एवं गद्य-शैली (हिन्दी अथवा संस्कृत में, अधिकतम 100 शब्द)।	**4**
4.	सन्दर्भित पुस्तक से सम्बन्धित वैकल्पिक प्रश्न।	**2**

खण्ड-ख (पद्य) — 20 अंक

➨ रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीयः सर्गः)

1.	किसी श्लोक की सन्दर्भ सहित हिन्दी में व्याख्या	**2+5=7**
2.	किसी श्लोक की सन्दर्भ सहित संस्कृत में व्याख्या।	**2+5=7**
3.	कवि-परिचय एवं काव्य-शैली (हिन्दी अथवा संस्कृत में, अधिकतम 100 शब्द)।	**4**
4.	काव्यगत तथ्यों एवं भावों पर आधारित वैकल्पिक प्रश्न।	**2**

खण्ड-ग (नाटक) — 20 अंक

➨ अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थोऽङ्कः)

1.	पाठगत नाटक के किसी गद्यांश अथवा पद्य की सन्दर्भसहित हिन्दी में व्याख्या।	**2+5=7**
2.	पाठगत नाटक के अंशों से सूक्तिपरक पंक्ति की सन्दर्भसहित हिन्दी में व्याख्या।	**2+5=7**
3.	नाटककार का जीवनपरिचय एवं नाट्यशैली (हिन्दी अथवा संस्कृत में, अधिकतम 100 शब्द)।	**4**
4.	सन्दर्भित पुस्तक से सम्बन्धित वैकल्पिक प्रश्न।	**2**

खण्ड-घ (नाटक) 10 अंक

विभिन्न विषयों पर संस्कृत में निबन्ध (10 पंक्तियाँ)–संस्कृत साहित्य, जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा, यातायात के नियम आदि।

खण्ड-ङ (अलंकार) 3 अंक

निम्नलिखित अलंकारों की सामान्य परिभाषा (हिन्दी या संस्कृत में) अथवा उदाहरण संस्कृत में– उपमा तथा रूपक।

खण्ड-'च' (व्याकरण) 27 अंक

1.	अनुवाद – ऐसे हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद जहाँ उपपद विभक्तियों का प्रयोग हो।	**8**
2.	कारक तथा विभक्ति	**3**
3.	समास	**3**
4.	सन्धि	**3**
5.	शब्दरूप	**3**
6.	धातुरूप	**3**
7.	प्रत्यय	**2**
8.	वाच्य परिवर्तन	**2**

निर्धारित पुस्तकें एवं पाठ्यवस्तु

खण्ड-(क) गद्य– महाकवि बाणभट्टप्रणीतम् – कादम्बरीसारतत्त्वभूतम् ''चन्द्रापीडकथा'' का उत्तरार्द्ध भाग-सा तु समुत्थाय महाश्वेतां–जग्रन्थ बाणभट्टस्य वाक्यैरेव कथामिमाम्।।इति।।

खण्ड-(ख) पद्य– महाकविकालिदासप्रणीतम् – रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्ग) श्लोक संख्या 41 से समाप्तिपर्यन्त।

खण्ड-(ग) नाटक– महाकविकालिदासप्रणीतम्–अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थोऽङ्कः) (आकाशे) रम्यान्तरः कमलिनी हरितैः ..... इत्यादि पद से अंक की समाप्ति तक।

खण्ड-(घ) निबन्ध– विभिन्न विषयों पर संस्कृत में निबन्ध (10 पंक्तियाँ) संस्कृत साहित्य, जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा, यातायात के नियम आदि विषयों पर निबन्ध)

खण्ड-(ङ) अलंकार- निम्नलिखित अलंकारों की सामान्य परिभाषा (हिन्दी या संस्कृत में) अथवा उदाहरण संस्कृत में– उपमा तथा रूपक।

खण्ड-(च) व्याकरण–

1. अनुवाद– ऐसे हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद जहाँ उपपद विभक्तियों का प्रयोग हो।

2. कारक तथा विभक्ति–

निम्नलिखित सूत्रों तथा वार्तिकों के आधार पर कारकों तथा विभक्तियों का ज्ञान–

(क) चतुर्थी विभक्ति (सम्प्रदान कारक)

(1) कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्
(2) चतुर्थी सम्प्रदाने
(3) रुच्यर्थानां प्रीयमाणः
(4) क्रुधद्रुहेर्ष्यासूयार्थानां यं प्रति कोपः
(5) स्पृहेरीप्सितः
(6) नमःस्वस्तिस्वाहास्वधाऽलंवषड्योगाच्च

(ख) पंचमी विभक्ति (अपादान कारक)

(1) ध्रुवमापायेऽपादानम्

(2) अपादाने पञ्चमी
(3) जुगुप्साविरामप्रमादार्थानामुपसंख्यानम् ।(वा0)
(4) भीत्रार्थानां भयहेतुः
(5) आख्यातोपयोगे

(ग) षष्ठी विभक्ति (सम्बन्ध कारक)

(1) षष्ठी शेषे
(2) षष्ठी हेतुप्रयोगे
(3) क्तस्य च वर्तमाने
(4) षष्ठी चानादरे

(घ) सप्तमी विभक्ति (अधिकरण कारक)

(1) आधारोऽधिकरणम्
(2) सप्तम्यधिकरणे च
(3) साध्वसाधुप्रयोगे च। (वा0)
(4) यतश्च निर्धारणम् ।

3. समास

निम्नांकित समासों की परिभाषा अथवा संस्कृत में विग्रहसहित समास का नाम।
(1) द्वन्द्वः, (2) अव्ययीभावः, (3) द्विगुः।

4. सन्धि

सन्धि, सन्धि-विच्छेद, नामोल्लेख तथा नियम-ज्ञान।
निम्नलिखित सूत्रों के अनुसार संधियों का उदाहरण सहित ज्ञान—

(क) व्यंजन सन्धि या हल सन्धि– (1) स्तोःश्चुना श्चुः, (2) ष्टुना ष्टुः, (3) झलां जशोऽन्ते, (4) खरि च, (5) मोनुऽस्वारः, (6) झलां जश् झशि, (7) तोर्लि, (8) अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः।

(ख) विसर्ग सन्धि– (1) विसर्जनीयस्य सः, (2) ससजुषोरुः, (3) अतोरोरप्लुतादप्लुते, (4)हशि च, (5) खरवसानयोर्विसर्जनीयः, (6) वा शरि, (7) रोरि, (8) ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः।

5. शब्द-रूप

(अ) नपुंसकलिंग– गृह, वारि, दधि, मधु, जगत्, नामन्, मनस्, ब्रह्मन्, धनुष्।
(आ) सर्वनाम– सर्व, तद्, यद्, किम्, युष्मद्, अस्मद्, इदम्, एतत्, अदस्, भवत्।
(इ) 01 से 100 तक के संख्यावाचक शब्द तथा कति के रूप।

6. धातु-रूप

निम्नलिखित धातुओं के लट्, लङ्, लोट्, विधिलिङ् एवं लृट् लकार में रूप।
(अ) आत्मनेपद– लभ्, वृध्, भाष्, शी, विद्, सेव्।
(आ) उभयपद– नी, याच्, दा, ग्रह, ज्ञा, चुर्, श्रि, क्री, धा।

7. प्रत्यय ल्युट्, णमुल्, अनीयर्, टाप्, ङीष्, तुमुन्, क्त्वा।

8. वाच्य परिवर्तन वाक्यों में कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एवं भाववाच्य पदों का वाच्य परिवर्तन।

विषय-सूची

विषय — पृष्ठ-संख्या

खण्ड - 'क' (गद्य)

चन्द्रापीडकथा (उत्तरार्द्ध भाग)

- महाकवि बाणभट्ट **9**
- चन्द्रापीडकथा : कथा-सार **13**
- चन्द्रापीडकथा : पात्र-परिचय **14**
- चन्द्रापीडकथा **20**
  (उत्तरार्द्ध भाग : शब्दार्थ, हिन्दी अनुवाद, व्याकरणात्मक टिप्पणी एवं प्रश्नोत्तर)
- अतिलघु उत्तरीय प्रश्न **90**
- बहुविकल्पीय प्रश्न **92**

खण्ड - 'ख' (पद्य)

रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीयः सर्गः)

- महाकवि कालिदास : एक संक्षिप्त परिचय **96**
- रघुवंश महाकाव्य : एक संक्षिप्त परिचय **101**
- रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीयः सर्गः) **107**
  (हिन्दी एवं संस्कृत व्याख्या)
- अतिलघु उत्तरीय प्रश्न **124**
- बहुविकल्पीय प्रश्न **135**

खण्ड - 'ग' (नाटक)

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थोऽङ्कः)

(आकाशे) रम्यान्तरः कमलिनीहरितैः ..... इत्यादि)

- महाकवि कालिदास **128**
- अभिज्ञानशाकुन्तलम् : चतुर्थ अङ्क का सारांश **132**

- प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण **133**
- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थोऽङ्कः) **140**
- सूक्तिपरक वाक्यों की ससंदर्भ हिन्दी व्याख्या **152**
- अतिलघु उत्तरीय प्रश्न **155**
- बहुविकल्पीय प्रश्न **158**

खण्ड - 'घ'

निबन्ध **164**

खण्ड - 'ङ'

अलंकार **184**

खण्ड - 'च' (व्याकरण)

1. अनुवाद **185**
गत वर्ष की बोर्ड परीक्षाओं में पूछे गये वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद **199**

2. कारक तथा विभक्ति **204**
गत वर्ष की बोर्ड परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नों के उत्तर **208**
बहुविकल्पीय प्रश्न **212**

3. समास **218**
गत वर्ष की बोर्ड परीक्षाओं में पूछे गये समास (उत्तर सहित) **221**
बहुविकल्पीय प्रश्न **224**

4. सन्धि **228**
बहुविकल्पीय प्रश्न **233**

5. शब्द-रूप **237**
बहुविकल्पीय प्रश्न **246**

6. धातु-रूप **257**
बहुविकल्पीय प्रश्न **278**

7. प्रत्यय **285**
बहुविकल्पीय प्रश्न **287**

8. वाच्य-परिवर्तन **295**
गत वर्ष की बोर्ड परीक्षाओं में पूछे गये वाच्य-परिवर्तन **296**

- **प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र** **301**